Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 9

सामाजिक विज्ञान

भारत और समकालीन विश्व-1

अध्याय-5 : आधुनिक विश्व में चरवाहे

भाग-2

औपनिवेशिक शासन और
चरवाहों का जीवन

निर्मल सिंह



Under CSR Support by ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1. घुमंतू चरवाहे और उनकी आवाजाही
2. औपनिवेशिक शासन और चरवाहों का जीवन
3. अफ़्रीका में चरवाहा जीवन



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

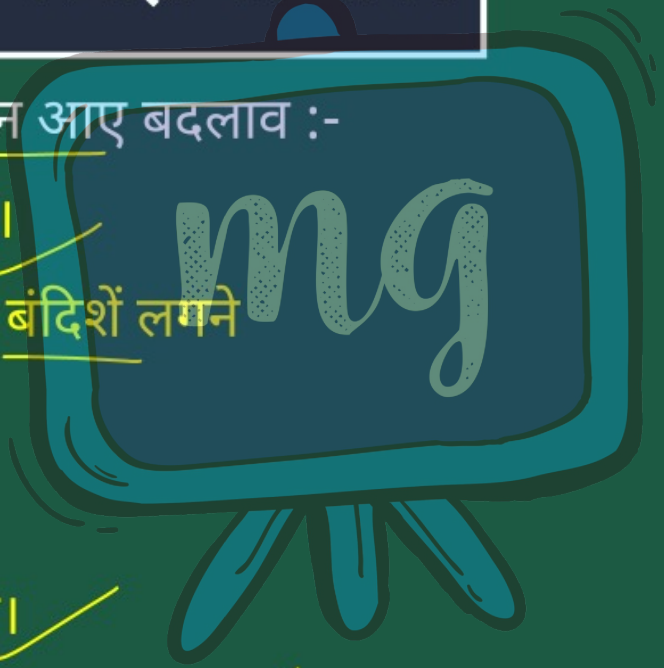
औपनिवेशिक शासन और चरवाहों का जीवन



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

औपनिवेशिक शासन और चरवाहों का जीवन



☛ औपनिवेशिक शासन के दौरान आए बदलाव :-

- ✧ उनके चरागाह सिमट गए।
- ✧ इधर-उधर आने-जाने पर बंदिशें लगने लगीं।
- ✧ लगान में भी वृद्धि हुई।
- ✧ खेती में हिस्सा घटने लगा।
- ✧ पेशे और हुनरों पर बुरा असर पड़ा।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ पहली बात :-

- ✧ अंग्रेज सरकार चरागाहों को खेती की ज़मीन में तब्दील करना चाहती थी।
- ✧ खेती का क्षेत्रफल बढ़ने से सरकार की आय में बढ़ोतरी हो सकती थी।
- ✧ इससे जूट (पटसन), कपास, गेहूँ और अन्य खेतिहर चीजों के उत्पादन में भी इज़ाफा होता।
- ✧ इनकी इंग्लैंड में बहुत ज़्यादा ज़रूरत रहती थी।

Under CSR Support by ipca | Foundation

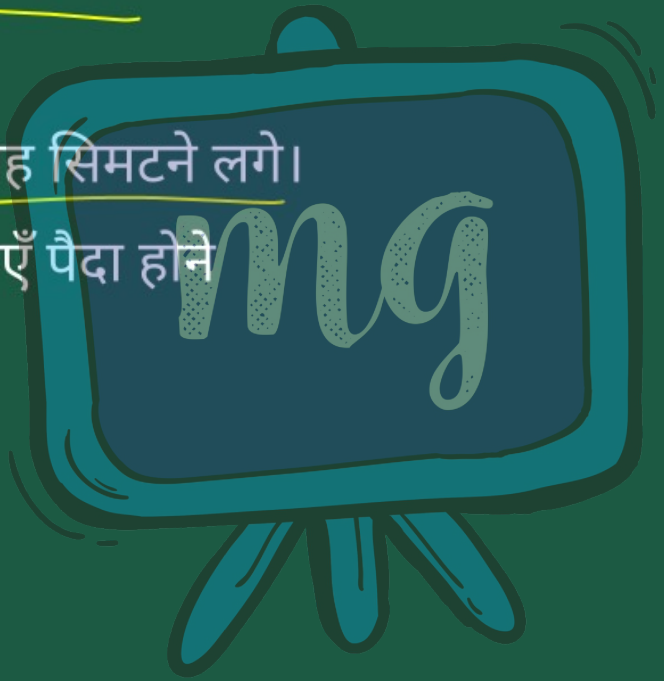
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- बिना खेती की ज़मीन को अंग्रेज 'बेकार' मानते थे।
- उसे खेती के लायक बनाना जरूरी था।
- उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य में देश में परती भूमि विकास के लिए नियम बनाए जाने लगे।
- इन कायदे-कानूनों के ज़रिए सरकार गैर-खेतिहर ज़मीन को अपने कब्जे में लेकर कुछ खास लोगों को सौंपने लगी।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- कब्जे में ली गई ज़्यादातर ज़मीन चरागाहों की थी।
- खेती के फैलाव से चरागाह सिमटने लगे।
- चरागाहों के लिए समस्याएँ पैदा होने लगी।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ दूसरी बात :-

- ✧ उन्नीसवीं सदी तक देश के विभिन्न प्रांतों में वन अधिनियम पारित किए जाने लगे।
- ✧ ऐसे कई जंगल जहाँ देवदार या साल जैसी कीमती लकड़ी पैदा होती थी उन्हें आरक्षित वन घोषित कर दिया गया।
- ✧ इन जंगलों में चरवाहों के घुसने पर पाबंदी लगा दी गई।
- ✧ कई जंगलों को 'संरक्षित' घोषित कर दिया गया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

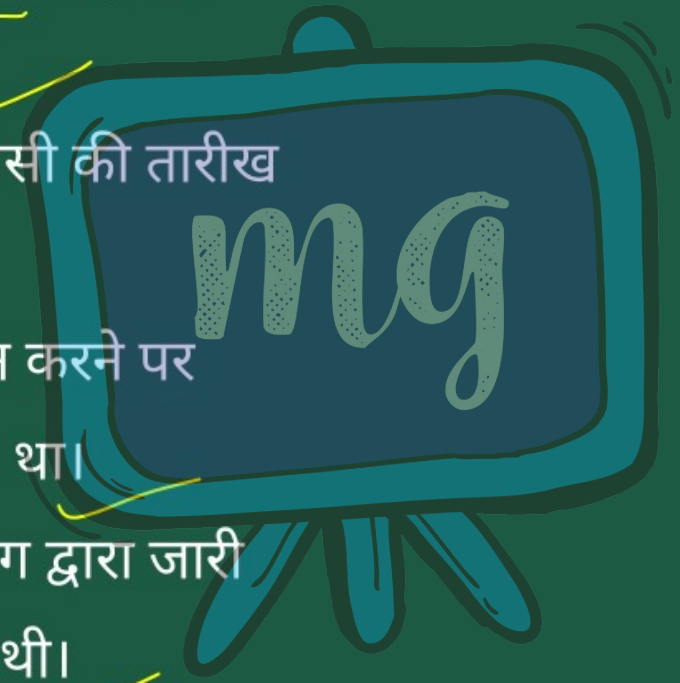
missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- इन जंगलों में चरवाहों को चरवाही के कुछ परंपरागत अधिकार दिए गए।
- लेकिन उनकी आवाज़ाही पर फिर भी बंदिशें लगी रही।
- अंग्रेजों की राय में, चरवाहों के रेवड़ छोटे पौधों को कुचल देते हैं और कोंपलों को खा जाते हैं।
- जिससे नए पेड़ों की बढ़त रूक जाती है।
- चरवाहों पर कड़ी नज़र रखी जाती थी।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- जंगलों में दाखिल होने के लिए उन्हें परमिट लेना पड़ता था।
- जंगल में प्रवेश और वापसी की तारीख तय की गई।
- समय-सीमा का उल्लंघन करने पर जुर्माना लगा दिया जाता था।
- उनकी ज़िंदगी वन विभाग द्वारा जारी किए परमिटों के अधीन थी।

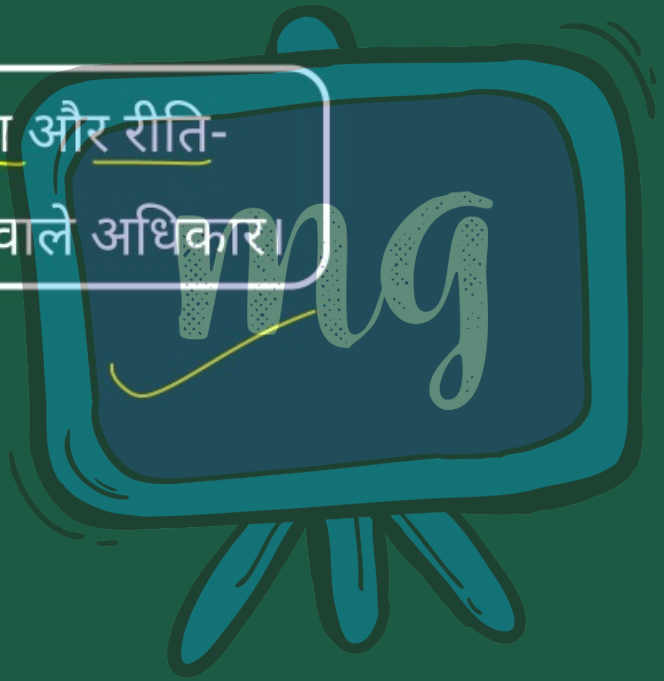


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नए शब्द

परंपरागत अधिकार : परम्परा और रीति-रिवाज के आधार पर मिलने वाले अधिकार।

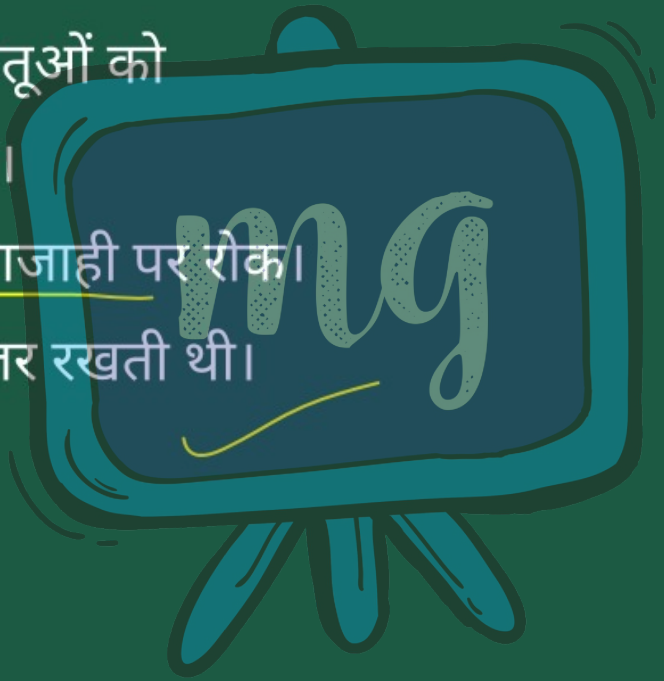


Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

☛ तीसरी बात :-

- ✧ अंग्रेज अफ़सरों द्वारा घुमंतूओं को अपराधी माना जाने लगा।
- ✧ उनकी बिना परमिट आवाजाही पर रोक।
- ✧ ग्राम्य पुलिस पर सदा नज़र रखती थी।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अपराधी जनजाति अधिनियम (1871 में पारित)

दस्तकारों, व्यापारियों और चरवाहों के बहुत सारे समुदायों को अपराधी समुदायों की सूची में रख दिया गया।

कुदरती और जन्मजात अपराधी घोषित कर दिया गया।

उन्हें अधिसूचित गाँवों/बस्तियों में बस जाने का हुक्म दिया गया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ चौथी बात :-

- ✧ अंग्रेजों ने ज़मीन, नहरों के पानी, नमक, खरीद-फ़रोख्त की चीज़ों पर लगान वसूला।
- ✧ अंग्रेजों ने मवेशियों पर भी टैक्स वसूलने का एलान कर दिया।
- ✧ देश के ज़्यादातर चरवाही इलाकों में उन्नीसवीं सदी के मध्य से ही चरवाही टैक्स लागू कर दिया गया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- 1850 से 1880 के दशकों के बीच टैक्स वसूली का काम बोली लगाकर ठेकेदारों को सौंपा जाता था।
- 1880 के दशक तक सरकार ने अपने कारिंदों के माध्यम से सीधे चरवाहों से ही कर वसूलना शुरू कर दिया।
- हरेक चरवाहे को एक 'पास' जारी कर दिया गया।
- चरागाह में दाखिल होने के लिए चरवाहों को पास दिखाकर पहले टैक्स अदा करना पड़ता था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

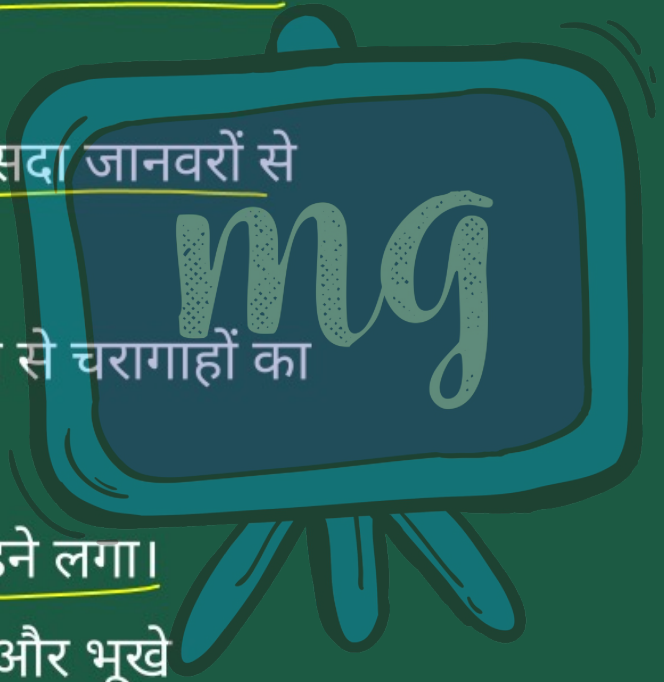
इन बदलावों ने चरवाहों की ज़िंदगी को किस तरह प्रभावित किया?

- चरागाहों को सरकारी कब्ज़े में लेकर उन्हें खेतों में बदला जाने लगा।
- चरागाहों के लिए उपलब्ध इलाका सिकुड़ने लगा।
- गड़रिये और पशुपालक अब अपने मवेशियों को जंगलों में पहले जैसे आजादी से नहीं चरा सकते थे।

Under CSR Support by ipca | Foundation

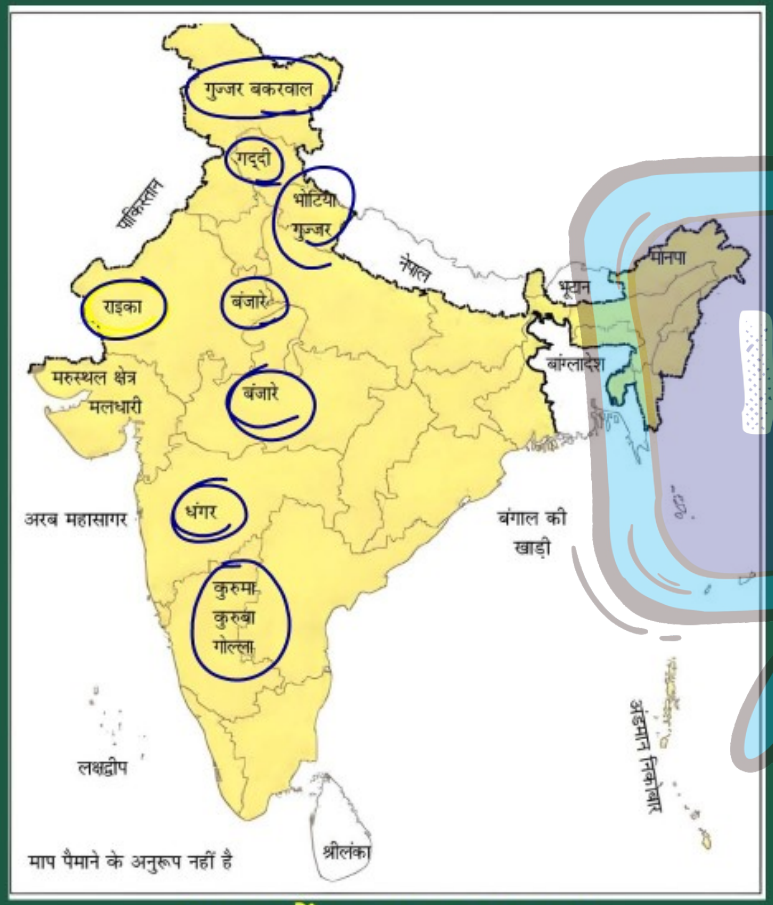
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- बचे-खुचे चरागाहों में चरने वाले जानवरों की तादाद बढ़ने लगी।
- नतीजा यह हुआ कि चरागाह सदा जानवरों से भरे रहने लगे।
- चरागाहों के बेहिसाब इस्तेमाल से चरागाहों का स्तर गिरने लगा।
- जानवरों के लिए चारा कम पड़ने लगा।
- अकाल की वजह से कमज़ोर और भूखे जानवर बड़ी संख्या में मरने लगे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



भारत में चरवाहा समुदाय

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

चरवाहों ने इन बदलावों का सामना कैसे किया?

- कुछ चरवाहों ने अपने जानवरों की संख्या कम कर दी।
- कुछ चरवाहों ने नए-नए चरागाह ढूँढ लिए।
- ऊँट और भेड पालने वाले राइका 1947 के बाद न तो सिंध में दाखिल हो सकते थे और न सिंधु नदी किनारे अपने जानवरों को चरा सकते थे।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- अब वे हरियाणा के खेतों में जाने लगे।
- कुछ धनी चरवाहे ज़मीन खरीद कर एक जगह बस कर रहने लगे।
- कुछ नियमित रूप से खेती करने लगे।
- कुछ व्यापार करने लगे।
- कुछ सूदखोरों से ब्याज पर कर्ज़ लेकर दिन काटने लगे।
- इस चक्कर में बहुतों के मवेशी भी हाथ से जाते रहे और वे मजदूर बन कर रह गए।

Under CSR Support by ipca | Foundation

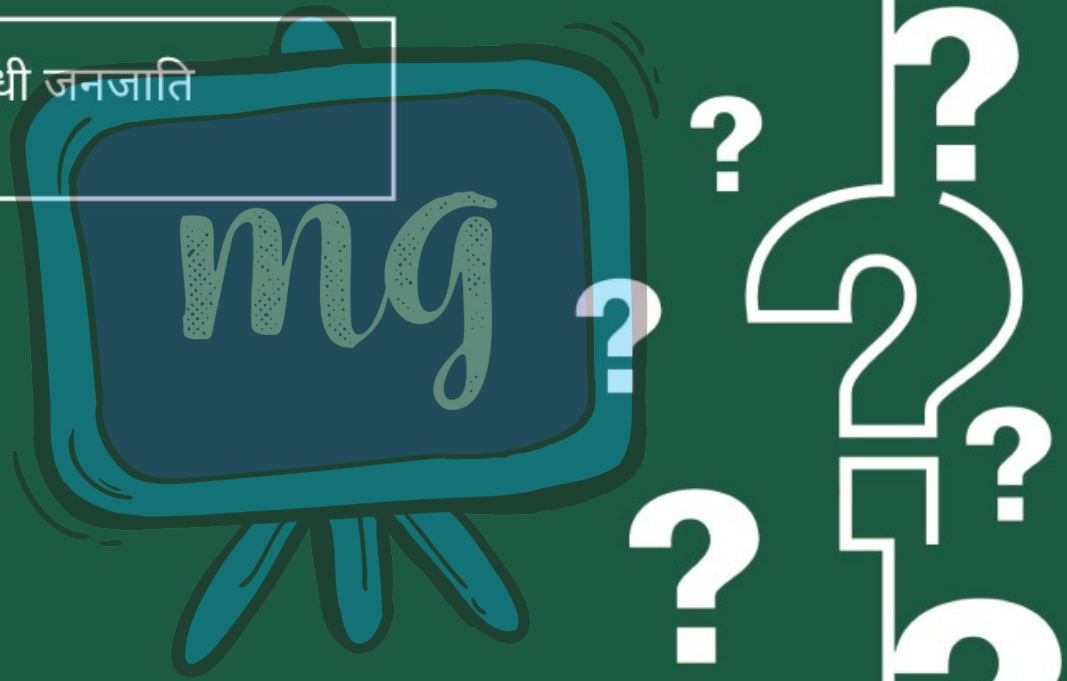
सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1. अपराधी जनजाति अधिनियम
2. औपनिवेशिक बदलावों का चरवाहों के जीवन पर प्रभाव



1 | औपनिवेशिक सरकार ने अपराधी जनजाति अधिनियम कब पारित किया?



अ 1861

ब 1871

स 1881

द 1891

2 देश के विभिन्न हिस्सों में परती भूमि विकास के लिए नियम कब बनाए गए?





अ 17वीं शताब्दी में

ब 18वीं शताब्दी में

स 19वीं शताब्दी के मध्य में

द 19वीं शताब्दी के अंत में

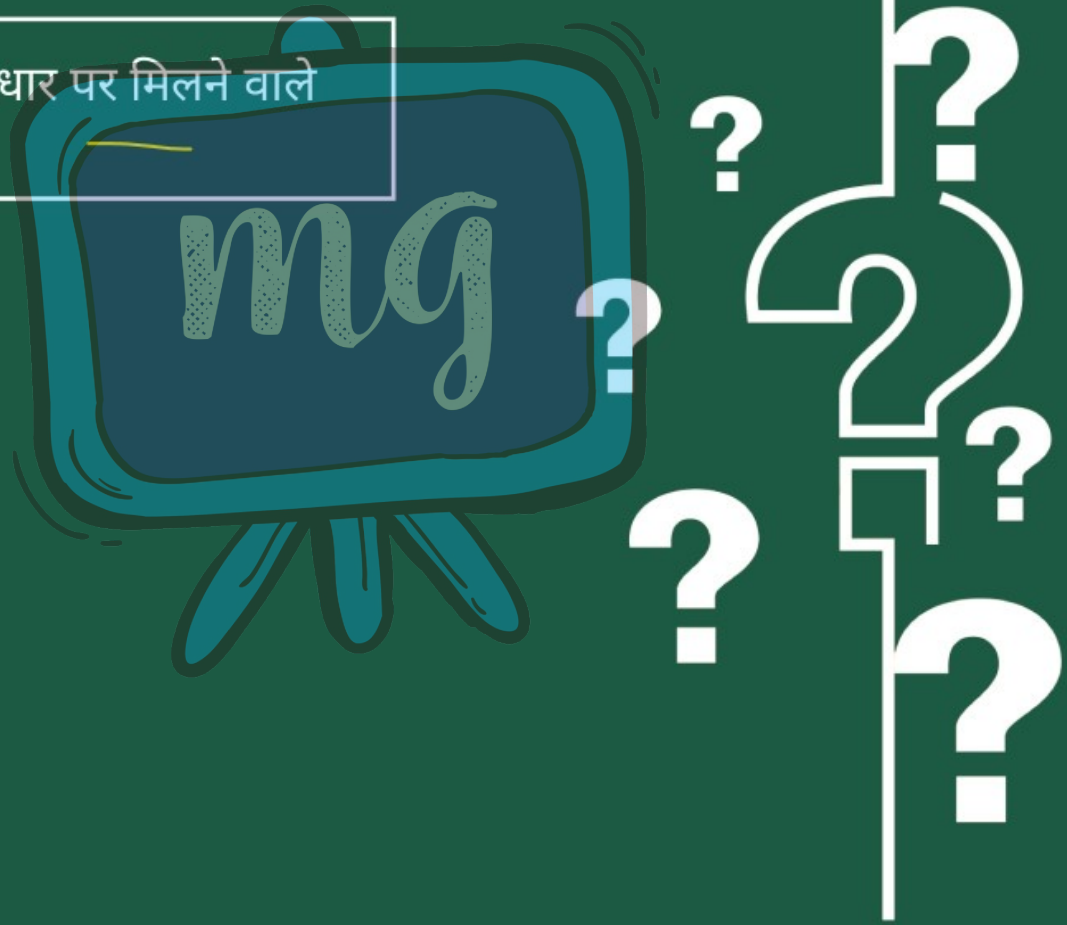
3 परम्परा और रीति-रिवाज के आधार पर मिलने वाले अधिकार कहलाते हैं?

अ परम्परागत अधिकार

ब वंशानुगत अधिकार

स मौलिक अधिकार

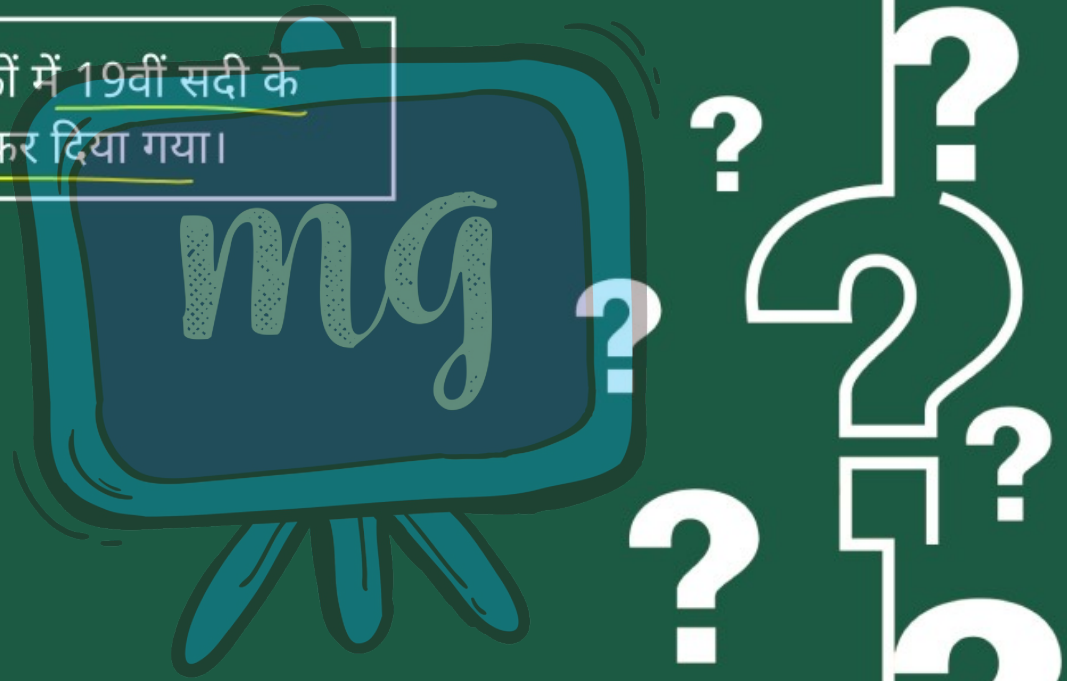
द इनमें से कोई नहीं



4 देश के ज़्यादातर चरवाही इलाकों में 19वीं सदी के मध्य से ही चरवाही टैक्स लागू कर दिया गया।

अ सत्य

ब असत्य



5 | 1947 ई. के बाद ---------- नदी के किनारे जानवरों को चराने पर रोक लगा दी गयी।

